

---

# Shri Hayagriva Mangala ShlokaH

---

## श्रीहयग्रीवमङ्गलश्लोकाः

---

### Document Information

Text title : Hayagriva Mangala ShlokaH

File name : hayagrIvamangalashlokaH.itx

Category : vishhnu

Location : doc\_vishhnu

Transliterated by : Chandrasekhar Karumuri

Proofread by : Chandrasekhar Karumuri

Latest update : August 13, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 18, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीहयग्रीवमङ्गलश्लोकाः



ओङ्कारपञ्जरस्थाय ओजस्तेजोधराय च ।  
ओषधीशालयान्तस्थवाग्धीशाय मङ्गलम् ॥ १ ॥

हरिणाङ्कान्तरस्थाय हरिणाङ्कासनाय च ।  
हरिण्यधिष्ठिताङ्काय हयग्रीवाय मङ्गलम् ॥ २ ॥

यमिनामतिमोदाय यमबाधानिवारिणे ।  
यज्वने यज्ञपतये यज्ञाङ्गायास्तु मङ्गलम् ॥ ३ ॥

ग्रीवाभरणयुक्ताय गीताशास्त्रप्रदायिने ।  
गीर्वाणानन्ददायाऽस्तु हयग्रीवाय मङ्गलम् ॥ ४ ॥

वाजिवक्त्राय हरये वागीशत्वप्रदायिने ।  
वामाङ्कस्थाङ्गनापाङ्गसङ्गतायास्तु मङ्गलम् ॥ ५ ॥

यशस्विने च चक्राब्जज्ञानपुस्तकधारिणे ।  
सर्वाभरणयुक्ताय सैन्धवास्याय मङ्गलम् ॥ ६ ॥

नतदेवेशमौलिस्थनवरत्नाङ्किताङ्गये ।  
हेमाम्बराञ्चिताङ्गाय हेषारावाय मङ्गलम् ॥ ७ ॥


मत्स्यावतारकृत्याय मङ्गलौघप्रदायिने ।  
महाश्वशिरसे सर्वमङ्गलायास्तु मङ्गलम् ॥ ८ ॥


मुक्तिविद्याप्रदात्रे च अनन्तफलदायिने ।  
पद्मपीठान्तरस्थाय पद्माश्लिष्टाय मङ्गलम् ॥ ९ ॥

इति श्रीहयग्रीवमङ्गलश्लोकाः समाप्ताः ।

Proofread by Chandrasekhar Karumuri

---

——  
*Shri Hayagriva Mangala Shloka*  
pdf was typeset on August 18, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

